

Dharmesh nanda, Department of Geography

Gruha Degree College, Bagaha - I (W. Champaran)

Geography (Hons.) . B.A Part - I

Paper - II

Topic

मानवों का जलवायु वनीकरण

Dharmesh nanda

Assistant professor (Gruha)

B. R. A. Bihar University

Muzaffarpur

थार्नथर्वेट का जलवायु वर्गीकरण

थार्नथर्वेट ने जलवायु पर अपना वर्गीकरण सर्वप्रथम 1931 में प्रस्तुत किया, तत्पश्चात् इसमें कुछ और परिमार्जन करके 1933 में प्रस्तुत किया। धीरे-धीरे थार्नथर्वेट ने भी यह स्वीकार किया कि वनस्पति, जलवायु का सूचक होती है तथा वनस्पति पर वर्षा की मात्रा व तापक्रम का पर्याप्त प्रभाव होता है, परंतु वाष्पीकरण को भी ध्यान में रखना होगा। इसी आधार पर उन्होंने वर्षण प्रभाविता (Precipitation effectiveness) तथा तापक्रम प्रभाविता को जलवायु प्रदेशों के सीमा-निर्धारण में महत्व प्रदान किया है।

थार्नथर्वेट ने 1948 में अपने वर्गीकरण में पुनः संशोधन किया, यद्यपि इस बार भी वर्गीकरण में तीन सूचकों (वर्षण प्रभाविता, वर्षा का औसती वितरण तथा तापीय द्रव्यता) का प्रयोग किया, तथापि उनका प्रयोग इसी ढंग से किया गया। इस नए वर्गीकरण में जलवायु प्रदेशों का सीमा-निर्धारण वनस्पति के आधार पर न होकर वर्षा तथा वाष्पीकरण के आधार पर किया गया है। इस प्रकार जलवायु प्रदेशों की सीमाएं मात्र जलवायु प्रदेशों से संबंधित आंकड़ों पर ही आधारित हैं, उनका संबंध वनस्पति, मिट्टी या श्वेत-उपजो, आदि भौगोलिक कारकों से नहीं होता है।

सातत्य है कि संभाव्य वाष्पीकरण को औसत आसिक तापमान के आधार पर परिचलन किया जाता है न कि प्रत्यक्ष मापन किया जाता है। इसमें दिन की नम्बर्स 12 घण्टे तक ही मानी जाती हैं।

$$\text{अतः तीस दिनों के लिए } PE (\text{in cm}) = 1.6 (10 + T) \times 12$$

जहाँ $T = 12$ महीने के लिए (एड) $\times 1.5/4$ का फॉर्म

$a = 1$ का एक जलिल फलन

$T =$ तापमान ($^{\circ}C$) में

PE के आधार पर, थार्नथर्वेट ने विभिन्न जलवायु की परिभाषाओं के निर्धारण के लिए विभिन्न सूचकों की परिचलना की है।

आर्द्रता सूचकांक का तात्पर्य आर्द्रता अंकत तथा अधिकतम आर्द्रता से होता है यथा $I_m = (1000 - 60D) PE$

जबकि $I_m =$ मासिक आर्द्रता सूचकांक
 $S =$ मासिक आर्द्रता अधिकतम
 $D =$ मासिक आर्द्रता अंकत

इस सूत्र से परिकल्पित 12 महीनों का फेर वार्षिक आर्द्रता सूचकांक बताता है तापीय दक्षता सूचकांक वास्तव में संकेतक वाष्पोत्सर्जन का सूचक है जो सेंटीमीटर में व्यक्त किया जाता है। इसके परिकल्पन का वही सूत्र है जो PE के परिकल्पन का है। आर्द्रता और ताप के इन सूचकांकों की सहायता से थार्नवॉट ने आर्द्रता संज्ञकों तथा तापीय संज्ञकों का निर्धारण किया जो निम्नलिखित हैं :

आर्द्रता सूचकांक	आर्द्रता संज्ञक	तापीय दक्षता सूचकांक (C.M)	PE/Im	तापीय संज्ञक
7100	अति आर्द्र (A)	7114	794.9	बृद्ध तापीय A
20 to 100	आर्द्र (B + B ₁)	57-114	22.4-44.9	Mesothermal (B ₁ B ₂ B ₃)
0 से 20	तर आर्द्र (C ₁)	28.5-57	11.2-22.4	Microthermal (C ₁ C ₂)
0 से 20	तर आर्द्र (C ₂)	14.2-28.5	5.6-11.2	उष्ण (C)
-67 to -100	अर्द्ध शुष्क (D)	214.2	25.6	शुष्क (E)
-100 to -67	शुष्क (E)			

अतः आर्द्रता सूचकांक के आधार पर नौ आर्द्रता संज्ञकों का परिभाषित किया गया है (यथा A, B₁, B₂, B₃, C₁, C₂, D तथा E), इसी प्रकार औसत वार्षिक तापीय दक्षता का तापीय दक्षता के ग्रीष्मकालीन मानदण्ड के आधार पर 9 तापीय संज्ञक निर्धारित किए गए हैं (यथा A, B₁, B₂, B₃, C₁, C₂, D तथा E)। इन दोनों संज्ञकों को प्रत्येक वर्ष के मासिक तापीय दक्षता के ग्रीष्मकालीन मानदण्ड से तात्पर्य ग्रीष्मकाल के मूल महीनों के सम्बन्धित वाष्पोत्सर्जन का वार्षिक सम्मान्य वाष्पोत्सर्जन के प्रतिशत से होता है। आर्द्रता प्रभावित की

की मौसम विज्ञान सिखा प्रकार से है

	आर्द्र जलवायु (A, B, C)	सूचकांक
1.	9 न्यून या शून्य जल का अभाव	0-10
2.	5 सामान्य शीतकालीन जलमात्र	10-20
3.	10 सामान्य शीतकालीन जलमात्र	10-20
4.	5 से अधिक शीतकालीन जलमात्र	20 से अधिक
5.	10 से अधिक शीतकालीन जलमात्र	20 से अधिक
6.	9 न्यून या शून्य जलधिक्य	0-16.7
7.	5 सामान्य शीतकालीन जलधिक्य	16.7-33.3
8.	10 सामान्य शीतकालीन जलधिक्य	16.7-33.3
9.	5 से अधिक शीतकालीन जलधिक्य	33.3 से अधिक
10.	10 से अधिक शीतकालीन जलधिक्य	33.3 से अधिक

राष्ट्रीय इकाई के शीतकालीन तापमान के आधार पर

विश्व को 8 अंचलों में विभक्त किया गया है :

राष्ट्रीय इकाई का शीतकालीन तापमान	प्रकार	राष्ट्रीय इकाई का शीतकालीन तापमान %	प्रकार
1. 48.0 से कम	a	1-48.0 से 57.9	a
2. 57.9 से 58.3	b	2-58.3 से 61.2	b
3. 61.1 से 68.0	b	3-68.0 से 76.3	a
4. 76.3 से 88.0	c	4-88.0 से अधिक	a

इस प्रकार किसी भी स्थान या क्षेत्र की जलवायु उपभूत जलवायु के तलों तथा क्षेत्रों के तापमान के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस तरह किसी भी स्थान या क्षेत्र की जलवायु को चार वर्गों में प्रविष्ट किया जाता है। उदाहरणार्थ AA' और जलवायु क्षेत्र आर्द्र A, मेगाथर्मल (A) जलवायु प्रिमे वारिडि राष्ट्रीय इकाई का शीतकालीन तापमान 48 प्रतिशत से कम का तथा जल का अभाव न्यून या शून्य (0) होता है।